# ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
# गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
## कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
## पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
## फोन नम्बरः 05944–233032

## ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – नैनीताल

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे | निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

**वर्षः 27 अंकः 77 बुलेटिन अवधिः 29 सितम्बर–03 अक्टूबर, 2018 दिनः शुक्रवार दिनाँकः 28 सितम्बर, 2018**

**मौसम पूर्वानुमानः**

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **नैनीताल जिले में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

| पूर्वानुमानित मौसम तत्व | मौसम पूर्वानुमान–नैनीताल | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | 29/09/2018 | 30/09/2018 | 01/10/2018 | 02/10/2018 | 03/10/2018 |
| वर्षा (मिमी0) | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.) | 22 | 22 | 22 | 23 | 23 |
| न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.) | 12 | 12 | 12 | 13 | 13 |
| बादल आच्छादन | मध्यम बादल | आंशिक बादल | आंशिक बादल | आंशिक बादल | साफ |
| अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत) | 85 | 80 | 75 | 70 | 70 |
| न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत) | 45 | 40 | 35 | 35 | 35 |
| वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा) | 004 | 006 | 006 | 004 | 004 |
| वायु की दिशा | उत्तर–पश्चिम | उत्तर–पश्चिम | उत्तर–पश्चिम | उत्तर–पश्चिम | उत्तर–पश्चिम |

**आगामी पांच दिनो में मौसम के साफ रहने के साथ आसमान में आंशिक बादल छाये रहने की सम्भावना है।**

भारत मौसम विज्ञान विभाग के नैनीताल स्थित मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–2084 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों ( 21 – 27 सितम्बर, 2018 सुबह 8:30 तक) में आसमान में मध्यम से घने बादल छाये रहे तथा अधिकतम तापमान 13.8 से 21.4 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 10.5 से 14.0 डि0से0 के बीच रहा। ऐसे अनुमानित मौसम में गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

## कृषि मौसम परामर्श

**फसल प्रबन्धः**

- शरदकालीन गन्ने की बुवाई 15 अक्टूबर तक पूर्ण कर लें।
- जिन किसान भाईयों ने सितंबर माह में तोरिया की बुवाई न की हो वह अक्टूबर प्रथम सप्ताह तक तोरिया की बुवाई करें।

- ❖ तोरिया की बुवाई हेतु बीज दर 5 कि0ग्रा0/है0 तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30से0मी0 रखें।
- ❖ बीज उपचार हेतु थायरम 2.5 ग्राम/कि0ग्रा0 बीज या मैनकोजेब 3 ग्राम/कि0ग्रा0 बीज से उपचारित करें।
- ❖ तोरिया हेतु 90 कि0ग्रा0 नत्रजन, 40 कि0ग्रा0 फास्फोरस एवं 20 कि0ग्रा0 पोटाश की पूरी मात्रा तथा नत्रजन की आधी मात्रा बुवाई के समय प्रयोग करें। बुवाई के 20–25 दिन बाद नत्रजन की शेष बची आधी मात्रा का प्रयोग करें।
- ❖ धान में भूरा पर्णधब्बा रोग के नियंत्रण हेतु मैनकोजेब का 2.5 ग्राम/लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- ❖ धान फसलो मे खरपतवार नियंत्रण तथा पानी रोकने की उचित व्यवस्था करे।
- ❖ मक्का की फसल मे पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

**उद्यानप्रबन्धः**

- ❖ मध्यम व ऊँचें पर्वतीय क्षेत्रों में, मटर, मूली, बन्दगोभी, फूलगोभी फसलो में गुड़ाई के पश्चात् पलवार का प्रयोग करें ताकि नमी संरक्षण हो सके।
- ❖ घाटी क्षेत्रो में, घरेलू खपत के लिए सिंचित दशा में बन्दगोभी एवं फूलगोभी स्नोबॉल समूह का प्रतिरोपण करें।
- ❖ घाटी क्षेत्रो में, यदि बरसात समाप्ति पर है तथा खेत में पानी नही रुकता हो तो प्रथम सप्ताह में अर्किल मटर की बुवाई करें।
- ❖ टमाटर एवं मिर्च की फसल मे जड़ एवं तना संधि सड़न रोग के नियंत्रण हेतु ट्राईकोडरमा 10 ग्राम/लीटर या कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर जड़ो की सिंचाई करें।
- ❖ फ्रासबीन की फलिया सड़ने एवं सफेद फफूंदी की बढ़वार दिखाई पड़ने पर कार्बन्डाजिम 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
- ❖ सदाबहार फल पौधों जैसे आम, अमरूद, नींबू, पपीता, लीची आदि फल पौधों को लगायें।
- ❖ बागीचों में खरपतवारों के नियंत्रण हेतु निराई–गुड़ाई करें।

**पशुपालनप्रबन्धः**

- ❖ प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ–सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए।
- ❖ पशुओं के लिए हरे चारे में दलहनी चारा सर्वोत्तम आहार है जो पशुओं के जीवन यापन के साथ–साथ उत्पादन में भी सहायक होता है। अतः पशुपालकों से निवेदन है कि पशुओं को स्वस्थ रखने व अधिकाधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु सर्वोत्तम दलहनी चारा (बरसीम) अवश्य बोयें क्योंकि 5 कि0ग्रा0 बरसीम (हरा चारा), 1 किलो ग्राम सान्द्र आहार के बराबर होता है।
- ❖ इस महीने पशुओं खासकर भैंसों में प्रसव की दर बढ़ जाती है। अतः जो पशु ज्ञामन है उनको अन्य पशुओ से अलग कर थोड़ी मात्रा में कई बार अतिरिक्त पूरक आहार दें अन्यथा उन्हें आफरा (पेट फूलना) की समस्या हो सकती है।
- ❖ प्रसव के 2 घंटे के भीतर नवजात की अच्छे से सफाई करने के उपरान्त उसको निश्चित रूप से थोड़ी मात्रा (1/2 – 1 कि0ग्रा0) खीस पिला दें।
- ❖ पशुओं को हरा चारा कम मात्रा में दें तथा हरे चारे में सूखा चारा मिलाकर दें।
- ❖ जिन पशुओं में एफ0एम0डी0 (मुखपका खुरपका) रोग के टीके नही लगें है उन पशुओं में तत्काल टीकाकरण करा लें। ताकि आपका पशुधन स्वस्थ रहे और उस से सही उत्पादन प्राप्त हो सके।

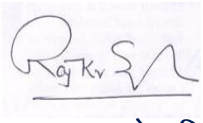

**डा0 आर0 के0 सिंह**
**प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी**
**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,**
**गो. ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर**